तापमान
अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 20 .0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 13 सितंबर 2025

11 अतिक्रमण हटाने के साथ ही नियमों की अनदेखी...

12 अब मुंबई रंगमंच पर कला का जलवा...

आसमान साफ होते ही गर्म हुआ मौसम का मिजाज, आज से बादल गहराने की संभावना

कुछ इलाकों में बूंदाबांदी होने का अनुमान, न्यूनतम तापमान 20.0 डिग्री पर पहुंचा

रात के समय तापमान में गिरावट से मिल रही राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

लगातार चार दिन से आसमान साफ रहने के बाद दिन के समय मौसम का मिजाज गर्म होना शुरू हो गया। रात के समय तापमान में गिरावट से राहत जरूर मिल रही है। मौसम में 15 सितंबर को एक बार फिर बदलाव आ सकता है।

आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी होने की संभावना जताई जा रही है। सितंबर माह के पहले सप्ताह में जमकर बारिश हुई, तो फसलों का काफी नुकसान हो गया। दूसर सप्ताह में मौसम मेहरबान हो गया। शुक्रवार को लगातार चौथे दिन आसमान सुबह से ही साफ रहा।

दिन का तापमान 0.8 डिग्री बढ़कर 35.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

तेज धूप खिलने के कारण दिन का तापमान 0.8 डिग्री बढ़कर 35.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री की कमी के साथ 20.0 डिग्री पर आ गया। हवा में नमी का स्तर 62 प्रतिशत रहा, जबकि गति 12 किमी प्रति घंटा रही। दोपहर बाद तक भारी गर्मी का प्रकोप बना रहा, जिससे कूलर और एसी एक बार फिर चलने शुरू हो गए।

रेवाड़ी। शुक्रवार को मौसम साफ रहने से बढ़ने लगी गर्मी। फोटो : हरिभूमि

कमजोर विक्षोभ की सक्रियता

तापमान गिरने के बाद पंखे की हवा से भी काम चलना शुरू हो गया था। रात के तापमान में गिरावट के चलते लोगों को शकून की नींद आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ की सक्रियता से मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है। शनिवार को आसमान में आंशिक या घने बादलों के बीच हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। कुछ दिनों तक मौसम बार-बार परिवर्तनशील बना रह सकता है।

बाजरा काटने पर जोर

मौसम साफ होने के बाद किसानों ने बाजरे की कटाई का कार्य तेज कर दिया है। पहले कटाई कर चुके किसान फसल निकालकर मंडियों में पहुंचाने लगे हैं। बाजरे की सरकारी खरीद अभी शुरू नहीं हुई है। किसान आढ़तियों को ही बाजरा बेच रहे हैं। मौसम साफ होने के बाद कपास की फसल भी तैयार होने लगी है। किसानों ने कपास की चुगाई का कार्य भी शुरू कर दिया है। अगेती फसल को बारिश से काफी नुकसान हो चुका है। रुई का रंग पीला पड़ गया है, जिससे किसानों को अच्छे दाम नहीं मिलेंगे।

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत वर्ष दर्ज कराई गई शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। पुलिस ने 7 जुलाई को आरोपियों पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में तिवाड़िया चौक बावल निवासी विकास को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

नशीला पदार्थ सप्लाई करने वाला काबू

रेवाड़ी। थाना बावल पुलिस ने नशीला पदार्थ सप्लाई करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नशा बेचने के आरोपी की गिरफ्तारी के बाद गत वर्ष 27 सितंबर को मामला दर्ज किया था। नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किए आरोपी ने बताया था कि उसे नशीला पदार्थ झड़थल की झाणी निवासी गौतम ने मुहैया कराया था। पुलिस ने गौतम को भी इस मामले में गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

धारूहेड़ा: घर से लापता युवती का सुराग नहीं

धारूहेड़ा। कस्बे की एक कॉलोनी से करीब 21 वर्षीय युवती घर से लापता हो गई। पुलिस शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि वह कस्बे की एक कॉलोनी में रहता है। उसके बेटी सुबह बाजार जाने के लिए घर से निकली थी। शाम तक वापस नहीं आने पर उसकी तलाश शुरू की गई। रिश्तेदारियों व दूसरे स्थानों पर पूछताछ करने पर भी उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवती की तलाश शुरू कर दी।

चार दिन बाद भी चोरों का सुराग नहीं

डहीना। निमोठ गांव में चार दिन पहले हुई सात किसानों के खेतों में नोजल चोरी की वारदात के बाद पुलिस आरोपियों का पता लगाने में नाकाम रही है। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरों का पता लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि चोर रात के समय नित्यानंद, संदीप, हंसराज, छोटेलाल व अन्य किसानों के खेतों से फव्वारा नोजल चोरी कर ले गए थे। किसानों को हजारों का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने थाना खोल पुलिस से चोरों का पता लगाकर नोजल बरामद कराने की मांग है।

मारपीट और धमकी मामले में पांच काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने देवनगर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान दर्ज करने के बाद 9 सितंबर को कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने देवनगर निवासी अनिल, नमन, रोहित, लालचंद व विकास नगर निवासी हर्षित को गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

सितंबर में डेंगू के मामलों ने पकड़ी रफ्तार, अब तक 157 मरीज मिले

गत वर्ष 2024 सितंबर माह में 53, अक्टूबर में 173 व नवंबर माह में डेंगू के 154 मरीज मिलने से 411 पर पहुंच गया था आंकड़ा

मलेरिया के भी बढ़ते जा रहे मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सितंबर माह में डेंगू के मामलों ने काफी रफ्तार पकड़ी हुई है। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में रोजाना लगातार डेंगू के मरीज मिल रहे है। शहरी क्षेत्र में फोगिंग का कार्य नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप भी काफी बढ़ गया है। शुक्रवार को 6 डेंगू पॉजिटिव नए मरीज मिलने से संख्या 157 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू केस मिलने वाले स्थानों पर फोगिंग कराई जा रही है तथा शहर के वार्डो में फोगिंग कार्य बिल्कुल भी नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा गत दिवस वीरवार को मलेरिया का एक केस मिलने से अब तक 14 केस मिल चुके है। गत वर्ष 2024 सितंबर माह में 53, अक्टूबर में 173 व नवंबर माह में डेंगू के 154 मरीज मिलने से आंकड़ा 411 पर पहुंच गया था। अभी तक मिले डेंगू मरीजों में 133 की प्राइवेट व 24 मरीजों की सरकारी लैब से पुष्टि की गई है। जिला मलेरिया अधिकारी व डिप्टी सीएमओ डा. अमित यादव के मार्गदर्शन में हेल्थ इंस्पेक्टरों की टीम डेंगू की रोकथाम के लगातार प्रयास कर रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें सोर्स रिडक्शन एक्टीविटी के दौरान घरों में लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दे रही है। अब तक लार्वा मिलने पर 2301 से लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। स्वास्थ्य विभाग की ब्रीडिंग चेकर टीम अब तक सोर्स रिडेक्शन एक्टिविटी के तहत 1832129 घरों में लार्वा की जांच कर चुकी है।

रेवाड़ी। पानी की टंकी में लार्वा की जांच करते हुए स्वास्थ्यकर्मी।

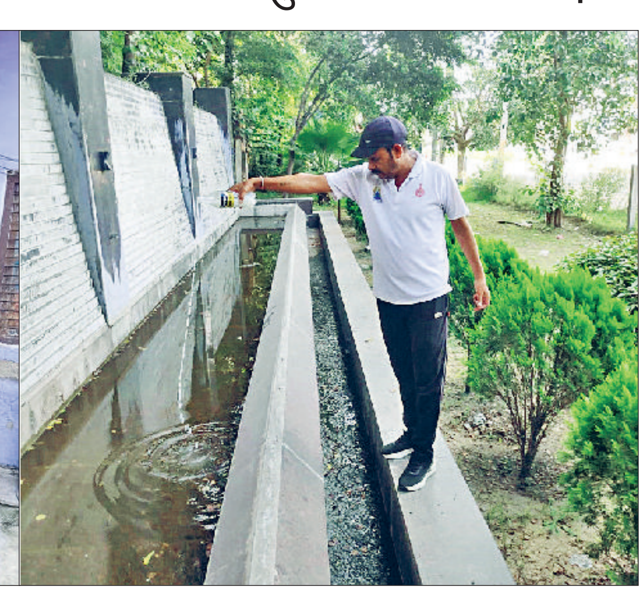
रेवाड़ी। पानी की खेल में दवा डालते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

2640 लोगों के लिए जा चुके ब्लड सेंपल

इस सीजन में अभी तक 157 डेंगू पॉजिटिव व मलेरिया के 14 मरीज मिल चुके है। जिले में अभी तक शहर में 54, बावल सीएचसी में 36, मीरपुर सीएचसी में 14, खोल सीएचसी में 37, गुरावड़ा सीएचसी व नाहड़ सीएचसी के अर्न्तगत 8-8 डेंगू के मरीज मिल चुके है। अब तक 2640 लोगों के ब्लड सेंपल लिए जा चुके है। शुक्रवार को नागरिक अस्पताल में 48 व प्राइवेट अपताल में 8 सहित 56 लोगों के ब्लड सेंपल लिए गए। अस्पतालों में फिलहाल डेंगू के 10 मरीज एडमिट है। शुक्रवार को दो मरीज एडमिट किए गए।

इन बातों का ध्यान रखना जरूरी

डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घर में व आसपास साफ-सफाई रखे। ठहरे हुए पानी में काला तेल डाले। घरों के बर्तन, कूलर, पानी की टंकी व पशुओं की खेल की सफाई करते रहे, जिससे मच्छर का लार्वा न पनप सके। डेंगू व मलेरिया के लक्षण होने पर ब्लड की जांच कराकर डॉक्टर की सलाह पर ही दवाईयां ले। ज्यादा से ज्यादा पेय पद्धार्थो का सेवन करें।

डेंगू व मलेरिया के लक्षण

मलेरिया इंस्पेक्टर बिरेन्द्र सिंह ने बताया कि डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर लाल धब्बे या चकते का निशान, नाक-मसूड़ों से या उल्टी के साथ रक्त स्राव होना डेंगू के लक्षण हैं। मलेरिया में मरीज के सिर दर्द होना, शरीर में कंपन, ठंड लगना, थकान, बुखार आना, उल्टी होना, जी मिचलना, चक्कर आना प्रमुख कारण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो अपना इलाज कराएं।

लोगों को बहुत सावधानी बरतने की जरूरत

डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। मच्छरों के प्रकोप से निजात दिलाने के लिए फोगिंग और लार्वा पनपने वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर दवा का छिड़काव किया जा रहा हैं। लोगों को भी डेंगू व मलेरिया के प्रति सावधानी बरतने की जरूरत है। *-डा. अमित यादव, मलेरिया अधिकारी।*

यूनिक नंबर के बिना पाए गए तो चालान

ऑटो चालकों को पढ़ाया ट्रैफिक नियमों का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा के निदेर्शानुसार सिटी ट्रैफिक इंचार्ज इंस्पेक्टर राजकुमार ने ऑटो और ई रिक्शा चालकों के साथ मीटिंग कर ट्रैफिक नियमों की पालना बारे उन्हें जागरूक किया। इस दौरान सिटी ट्रैफिक इंचार्ज इंस्पेक्टर राजकुमार ने ऑटो और ई रिक्शा चालकों को ट्रैफिक नियमों की पालन करने के निर्देश दिए गए कि ऑटो और ई रिक्शा को सड़क के बाई ओर चलाए, आगे चलने वाले ऑटो को ओवरटेक न करें, सभी ऑटो चालक ट्रैफिक नियमो की पालना करे।

उन्होंने कहा कि सड़क पर हादसों की सबसे बड़ी वजह ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करना है। ट्रैफिक नियमों की जानकारी के अभाव में चालक गलती करते है। आप सभी को ट्रैफिक के नियमों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी ट्रैफिक नियमों की पालना सुनिश्चित करे। इस दौरान उन्होंने ऑटो/ ई रिक्शा चालकों को ट्रैफिक के नियमों की पालना के लिए शपथ भी दिलाई ।

बेवजह सड़क पर नहीं खड़ा करें वाहन

ऑटो रिक्शा को अकारण सड़क पर खड़ा नहीं किया जाना चाहिए, गलत साइड में ऑटो नहीं चलाया जाना चाहिए, ताकि सड़कों पर ट्रैफिक जाम को रोका जा सके। ऑटो चालक अपने ऑटो को सड़क पर कही भी रोक सवारिया न बैठाए, ऑटो को निर्धारित स्टैंड पर ही रोके और अपने ऑटो में क्षमता से अधिक सवारिया न बैठाए। ऑटो के सभी कागजात पूर्ण रखे। सभी ऑटो और ई रिक्शा चालक महिलाओं का सम्मान करें, साथ ही ऑटो में सफर करने वाले सभी मुसाफिरों के साथ मधुर व्यवहार करें।

चालान प्रक्रिया को बनाया पारदर्शी

इंस्पेक्टर राजकुमार ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा व अपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए जिला ट्रैफिक पुलिस ने सभी ऑटो पर यूनिक नंबर लगाए हुए हैं। जिले में बिना यूनिक नंबर के ऑटो चलाने वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि ई-चालान प्रणाली के जरिए वाहन मालिक अपने चालान को ऑनलाइन देख सकते हैं और तुरंत भुगतान कर सकते हैं। इससे चालान प्रक्रिया पारदर्शी और आसान हो गई है। उन्होंने बताया कि चालान भरने में देरी करने वाले चालकों को अब 90 दिनों में चालान भरना अनिवार्य है।

रेवाड़ी। ऑटो चालकों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देती पुलिस।

पुलिस जागरूकता के बावजूद लोग फंस रहे

शेयर मार्केट में पैसा लगाने के नाम पर 3.35 लाख रुपये ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सोशल मीडिया पर मोटा पैसा कमाने के लुभावने विज्ञापन देखकर लोग लगातार साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 3.35 लाख की ठगी कर ली। साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बारा हजारी निवासी पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि उसने जुलाई में फेसबुक पर आईआईएफएल कंपनी की ब्रोकर कंपनी का विज्ञापन देखा था। उसमें शेयर मार्केट में पैसा लगाने पर मोटा मुनाफा कमाने की बात कही गई थी। उसने विज्ञापन पर मिले नंबरों पर संपर्क किया, तो निवेश के बारे में जानकारी दी गई। उसे एक ग्रुप से जोड़कर एप डाउनलोड कराई गई। उसका अकाउंट भी एप से खुलवाया। शुरू में उसने 15 हजार बताए गए खाता नंबरों पर ट्रांसफर किए, तो उसके खाते में 50 हजार मुनाफा दिखाया गया। उसने 10 हजार निकालकर देखे, तो पैसे आसानी से खाते में आ गए। इसके बाद उससे कई ट्रांजेक्शन के जरिए लगभग 3.35 लाख विभिन्न खातों में ट्रांसफर कराए गए। उसके बदले में खाते में मोटा मुनाफा दिखाया गया। जब उसने रकम निकलने का प्रयास किया, तो उससे 3 लाख रुपये और जमा कराने के लिए कहा गया। इसके बाद उसे साइबर ठगी का एहसास हुआ। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें उसकी रकम ट्रांसफर हुई है।

बैंक खातों को सीज कराने के प्रयास

साइबर थाना पुलिस केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाती है, जिनमें पीड़ित की रकम ट्रांसफर होती है। एसएचओ फूलकुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही संबंधित बैंक खातों का सीज कराने के प्रयास किए जाते हैं, लेकिन शातिर ठग कई मामलों में पहले ही बैंक खाता खाली कर देते हैं।

संगठन सृजन की दिशा में बढ़ाए कदम, फिर भी कांग्रेस में गुटबाजी नहीं हुई खत्म

कुमारी सैलजा कल करेंगी शहरी जिलाध्यक्ष कार्यालय का शुभारंभ
कांग्रेस के एक खेमे से जुड़े नेताओं के पहुंचने की नहीं कोई उम्मीद

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

सैलजा।

प्रवीण चौधरी।

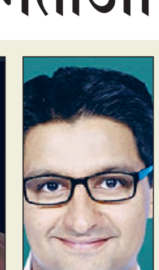
दीपेन्द्र हुड्डा।

सुभाष छावड़ी।

लगभग एक दशक बाद कांग्रेस ने भले ही जिलाध्यक्षों की नियुक्ति कर दी, परंतु प्रदेश की तर्ज पर जिला स्तर पर होने वाली गुटबाजी को पार्टी पाट नहीं पाई है। ग्रामीण जिलाध्यक्ष के कार्यालय का शुभारंभ जहां सांसद दीपेंद्र हुड्डा कर चुके हैं, तो 14 सितंबर को शहरी जिलाध्यक्ष के कार्यालय का शुभारंभ करने के लिए कुमारी सैलजा आ रही हैं।

जिस तरह दीपेंद्र के आगमन पर पार्टी के एक खेमे से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दूरी बनाई थी, ठीक उसी तरह हुड्डा खेमे से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना नहीं है। पार्टी में जिला स्तर पर असंतोष उसी समय बढ़ गया था, जब पार्टी ने जिलाध्यक्षों की सूची जारी की थी। इसके बाद पूर्व सीएम हुड्डा खेमे से जुड़े महेंद्र छाबड़ा व अध्यक्ष पद के लिए आवेदन करने वाले दूसरे नेताओं ने नियुक्तियों का खुलकर विरोध करना शुरू कर दिया था। असंतुष्ट नेताओं ने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद से दिल्ली में मुलाकात करते हुए आरोप लगाए थे कि जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में पार्टी के कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। यह नियुक्ति वरिष्ठ नेताओं के इशारे पर की गई हैं। जिले सहित आसपास के जिलों में भी ऐसे अध्यक्ष 'थोंपे' गए हैं, जो जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए सक्रिय नहीं रहे हैं। उन्होंने प्रदेश प्रभारी को चेताते हुए बताया था कि अगर इसी तरह निष्ठावान और जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को पद दिए गए, तो इससे पार्टी की हालत ज्यादा खराब हो जाएगी। इसके बाद दीपेंद्र हुड्डा ने ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी के कार्यालय का शुभारंभ किया, तो नियुक्तियों का विरोध कराने वाले कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खास समर्थक भी एक पूर्व विधायक की मौजूदगी के चलते नहीं पहुंचे थे। ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी खुद को गुटबाजी से दूर रखते हुए पूरे जिले में पार्टी का जनाधार बढ़ाने की नीति के साथ काम कर रहे हैं।

इलाके में सैलजा का प्रभाव भी अच्छा

कुमारी सैलजा दक्षिणी हरियाणा को लेकर ज्यादा गंभीर नहीं रही हैं। उनका इस इलाके में आगमन भी काफ होता रहा है। इसके बावजूद एससी वर्ग में उनके समर्थकों की संख्या कम नहीं है। बावल और रेवाड़ी दो हलकों में सैलजा के पुराने समर्थकों की लंबी फेहरिस्त है। उनके पूर्व सीएम हुड्डा के साथ मतभेदों के चलते ऐसा माना जा रहा है कि हुड्डा खेमे से जुड़े कांग्रेसी शहरी कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर खुद को दूर रखेंगे। इस समय जिला स्तर पर कांग्रेस में जबरदस्त गुटबाजी चल रही है, परंतु खुलकर बोलने वालों की भारी कमी है।

कैप्टन गुटबाजी से दूर रहने के प्रयास में

अहीरवाल कांग्रेस में पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव सबसे वरिष्ठ नेता हैं। यह बात और है कि पूरे दक्षिणी हरियाणा में अपना जनाधार बढ़ाने की बजाय एक ही हलके तक सीमित रहे। बाद में उन्होंने गुरूग्राम लोकसभा क्षेत्र में सक्रियता जरूर बढ़ाई, परंतु कांग्रेस पार्टी में उनका हुड्डा के साथ छत्तीस का आंकड़ा घाटे का सौदा ही साबित हुआ। कैप्टन अपने सबसे मजबूत किले रेवाड़ी हलके को भी सुरक्षित रखने में नाकाम हो गए। कुमारी सैलजा के आगमन पर वह कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, जबकि दीपेंद्र के कार्यक्रम में वह नजर नहीं आए थे।

रेगिस्तान में चलने वाले ऊंट की 3 पलकें होती हैं।

कबूतर के पंखों का वजन उनकी हड्डियों से अधिक होता है।

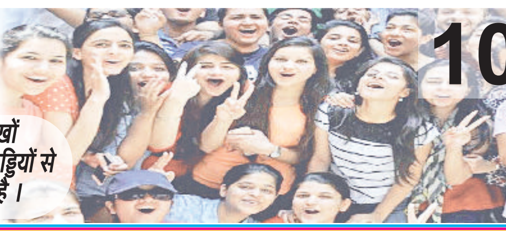

संवारें डिजिटल सेक्टर में भविष्य, सीखें स्किल

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आज दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है। बिग डेटा के साथ एकुरेसी की तरफ ध्यान दिया जा रहा है। आज एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉक चेन, रोबोटिक्स, आईओटी जैसे तकनीकें तेजी डिजिटल दुनिया को बदल रही हैं। डिजिटल सेक्टर तेजी से विकसित होती इंडस्ट्री है, जो युवाओं को नए रोजगार अवसर प्रदान कर रही है। 2030 में डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर का आकार 1500 अरब डॉलर से अधिक होने की संभावना है। डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, वेब डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र हैं जो डिजिटल सेक्टर में 3 से 6 महीने की स्किल सीखने पर उपलब्ध हैं।

भारी डिमांड

ये डिजिटल स्किल्स सीखें

वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर स्किल, सोशल मीडिया स्किल, पर्सनल आर्किविंग, इनफॉर्मेशन इवैल्यूएशन, स्क्रीनकास्टिंग, कोलैबोरेशन, इमेज एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग एंड कंटेंट मैनेजमेंट, डाटा एनालिटिक्स, कॉपीराइट एंड प्लेगिअरिज़्म, डाटा साइंस, डिजिटल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, डिजिटल प्रोडक्ट मैनेजमेंट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, डिजिटल बिजनेस एनालिसिस, डिजिटल डिज़ाइन एंड डाटा विजुअलाइजेशन, वेब एंड एप डेवलपमेंट, डिजिटल प्रोग्रामिंग, डिजिटल वीडियो एडिटिंग आदि।

बेसिक लर्निंग : कोडिंग, ब्रांडिंग, क्लाउड सॉफ्टवेयर, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, बैंकिंग एप्स आदि।

ये स्किल अहम : 1. सोशल मीडिया मार्केटिंग, 2. सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), 3. डिजिटल एनालिटिक्स, 4. ईमेल मार्केटिंग, 5. कंटेंट मार्केटिंग, 6. पेड एड्स, 7. वेबसाइट डेवलपमेंट, 8. वीडियो मार्केटिंग

डिजिटल कोर्सेज : सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), वेब एनालिटिक, ग्राफ़कि डिजाइनिंग, एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया, ग्रोथ हैकिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ईमेल/ इनबाउंड मार्केटिंग, मोबाइल मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, पे-पर-क्लिक (पीपीसी) मार्केटिंग, सर्टिफाइड डिजिटल मार्केटिंग मास्टर कोर्स आदि।

मार्केटिंग हॉट

मार्केटिंग का एक अन्य ट्रेंड है डिजिटल मार्केटिंग। यह उन सभी ऑनलाइन मार्केटिंग गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है जो इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से की जा रहीं हैं। आज के समय में कंपनियां डिजिटल मार्केटिंग के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्मों का उपयोग कर रहीं हैं, जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया, ईमेल और मोबाइल एप्लीकेशन। इसी कारण डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), सोशल मीडिया मार्केटिंग (एसएमएम), मार्केटिंग एनालिसिस्ट, ईमेल मार्केटिंग, वीडियो मार्केटिंग, फेसबुक विज्ञापन एक्सपर्ट की ढेरों रिक्तियां हैं।

जॉब ऑप्शन्स : डाटा साइंटिस्ट, वेस्ट डाटा मैनेजर, कमर्शियल/ सिविलियन ड्रोन ऑपरेटर, डिजिटल करेंसी एडवाइजर, डिजिटल आर्टिस्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्सपर्ट, रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग एक्सपर्ट, डिजिटल प्रोडक्ट डिजाइनर, मोबाइल डिजाइनर, वेब डेवलपर/ वेब डिजाइनर, एनिमेशन एक्सपर्ट, एनालिटिकल मैनेजर, यूजर एक्सपीरियंस डिजाइनर, डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, ईमेल मार्केटिंग मैनेजर, सोशल मीडिया एक्सपर्ट, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर, कॉपी/ कंटेंट राइटर।

टॉप रिक्रूटर्स : एफएमसीजी (फ्रास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स), रिटेल, टूरिज्म, बैंकिंग, हॉस्पिटैलिटी, आईटी एंड आईटीईएस, मीडिया/ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स/ चैनल्स, पीआर एंड एडवरटाइजिंग, कंसल्टेंसी, मार्केट रिसर्च और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइसेज आदि।

स्किल सीखने के फायदे

डिजिटली दक्ष युवाओं के लिए कई नौकरियां उपलब्ध हैं। डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में स्किल्ड युवाओं की कमी होने के कारण नौकरियों में उच्च वेतन दिया जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उद्यमियों के लिए एक लाभदायक विकल्प होता है। इसमें वे अपने उत्पादों और सेवाओं को व्यापक रूप से प्रचार कर सकते हैं और अधिक ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग ने बाजार में एक नया मापदंड स्थापित किया है। इसमें अधिक लोगों तक आपका संदेश पहुंचाने के लिए कम खर्च की आवश्यकता होती है। इस तरह से, उद्यमी संचार के लिए कम समय और पैसे खर्च करते हैं। डिजिटल सेक्टर युवा नए क्षेत्र में रोमांचक तरीके से काम कर सकते हैं। आप खुद के बोस हो सकते हैं और स्वयं के अनुसार काम करने का फैसला कर सकते हैं। आप खुद के व्यवसाय या ऑनलाइन स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं जो आपको स्वतंत्रता और आय की संभावनाएं प्रदान करता है। आप अपने दौर के अनुसार उचित संसाधनों और उपकरणों के साथ काम कर सकते हैं जो आपको आपकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करते हैं। ऑनलाइन वर्क और प्लेटफॉर्म्स पर सुरक्षित रहना और जिम्मेदारी से काम करना आ जाता है।

डिजिटल सेक्टर के ट्रेंड्स

आधार आधारित

आधार आधारित मार्केटिंग बढ़ता हुआ ट्रेंड है। इस मार्केटिंग में ग्राहकों के बारे में जानकारी जैसे उनके नाम, उम्र, पता, ईमेल आईडी, सोशल मीडिया अकाउंट आदि इकट्ठी कर इसका उपयोग उन्हें प्रभावी ढंग से लक्ष्य दर्शकों के लिए विज्ञापन दिखाने में किया जाता है।

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया मार्केटिंग एक और महत्वपूर्ण डिजिटल मार्केटिंग ट्रेंड है। सोशल मीडिया पर विज्ञापन दिखाने के साथ-साथ, उत्पाद या सेवाओं को विस्तार से बताने और संचार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाता है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट और विज्ञापन शेयर करके, व्यवसाय अपनी विनिमय विवरणों को ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं और ग्राहकों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वीडियो मार्केटिंग

वीडियो मार्केटिंग लोकप्रिय डिजिटल मार्केटिंग ट्रेंड है जो ऑडियो और वीडियो सामग्री के माध्यम से उत्पादों और सेवाओं का विज्ञापन करता है, क्योंकि इससे उत्पाद और सेवाओं के बारे में दिए जा रहे विवरणों को समझना आसान हो जाता है। यह वीडियो एड विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चलाए जा रहे हैं। जैसे - यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि।

प्रोफेशनल और टेक्निकल करियर की दिशा में ले जाता यह कोर्स

'परफ्यूजन टेक्नोलॉजी' से मेडिकल के क्षेत्र में बनाएं शानदार करियर, सैलरी भी अच्छी

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

मेडिकल साइंस के क्षेत्र में जहां हर विभाग का अपना अलग महत्व है, वहीं परफ्यूज़निस्ट की भूमिका दिल की सर्जरी जैसे जटिल ऑपरेशनों के दौरान जीवनरक्षक बन जाती है। परफ्यूजन टेक्नोलॉजी में बीएससी कोर्स युवाओं को मेडिकल क्षेत्र में एक प्रोफेशनल और टेक्निकल करियर की दिशा में ले जाता है। परफ्यूज़निस्ट हृदय शल्यचिकित्सा (हार्ट सर्जरी) जैसे ऑपरेशनों के दौरान हृदय-फेफड़ा मशीन चलाते हैं, जो सर्जरी के समय हृदय और फेफड़ों की जगह कार्य करती है। वे सर्जरी के दौरान रक्त प्रवाह, ऑक्सीजन स्तर और दवाओं का संतुलन बनाए रखने में विशेषज्ञ होते हैं। हृदय और फेफड़ों के प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) में परफ्यूज़निस्ट की भूमिका अनिवार्य होती है, जबकि गुर्दा (किडनी) या यकृत (लिवर) प्रत्यारोपण में भी उनकी आवश्यकता हो सकती है। इसके अतिरिक्त, हृदय और धमनियों से जुड़ी ऑन्को-सर्जरी (कैंसर सर्जरी) में भी आवश्यकता पड़ने पर परफ्यूज़निस्ट की सेवाएं ली जाती हैं। इस क्षेत्र में किसी भी युवा के लिए करियर बनाना बेहतरीन तरीका हो सकता है। इसकी बहुत डिमांड रहती है। यदि आप भी इस क्षेत्र में करियर आजमाना चाहते हैं तो आप एक चार साल का कोर्स कर परफ्यूज़निस्ट की भूमिका निभा सकते हैं। यह आपके करियर को चार चांद लगा सकता है। साथ आप मरीज की धड़कनों से रूबरू हो सकते हैं। इसलिए हर युवा इस क्षेत्र में अपना भाग्य आजमा सकता है।

> **हृदय और फेफड़ों के ट्रांसप्लांट में परफ्यूज़निस्ट की भूमिका अनिवार्य, लोगों की धड़कनों के करीब रहने वाला करियर**

कोर्स की योग्यता

- इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्रों को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी/ गणित के साथ) न्यूनतम 50/55% अंकों से पास होना जरूरी है। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा (**Entrance Test**) के आधार पर ही दाख़िला होता है।

प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता दाख़िला

यहां मिलेंगे नौकरी के अवसर

इस कोर्स के बाद छात्र कार्डियक सर्जरी विभागों, मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, आईसीयू यूनिट्स और हार्ट रिसर्च सेंटर में काम कर सकते हैं। सरकारी और निजी दोनों ही सेक्टर में इस प्रोफेशन की मांग लगातार बढ़ रही है।

प्रमुख संस्थान जहां से कर सकते हैं कोर्स

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश
- जवाहरलाल आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुदुच्चेरी
- पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ (स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़)
- पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, रोहतक (स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक)
- अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ एंड रिसर्च, कोच्चि (अमृता आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, कोच्चि)
- यू. एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद (यू. एन. मेहता हृदय रोग एवं अनुसंधान केंद्र, अहमदाबाद)
- क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर

निष्कर्ष

परफ्यूजन टेक्नोलॉजी मेडिकल क्षेत्र का वह विशेष हिस्सा है जो सर्जरी के दौरान मरीज की जान बचाने का कार्य करता है। अगर आप टेक्निकल ज्ञान के साथ मेडिकल सेवाओं में रुचि रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें स्किल्स और अनुभव के साथ करियर की ऊंचाइयों तक पहुंचने के अवसर मौजूद हैं।

यह मिल सकता है वेतनमान

- क्षेत्र में शुरुआती वेतनमान 40,000 से 45,000 प्रतिमाह होता है। अनुभव के साथ यह वेतन 1,00,000 से 1,50,000 प्रतिमाह तक पहुंच सकता है। विदेशों में परफ्यूज़निस्ट की बहुत अधिक मांग और आकर्षक वेतन पैकेज होता है।
- **B.Sc in Perfusion Technology** की अवधि 4 वर्ष की होती है, जिसमें अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप शामिल रहती है। कोर्स में थ्योरी, सर्जिकल एक्सपोज़र व क्लीनिकल ट्रेनिंग का समावेश होता है। यह आपके लिए एक बेहतर अवसर हो सकती है।

क्या है टेक्नोलॉजी

- यह चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जो प्रक्रियाओं के दौरान हृदय और फेफड़ों के कार्य का समर्थन करने और संभालने के लिए उपकरणों का उपयोग करती है।
- यह तकनीक हृदय-फेफड़े की मशीन (हार्ट-लंग मशीन) और अन्य जीवन रक्षक प्रणालियों जैसे कि **IABP**, **LVAD**, **RVAD** और **ECMO** के संचालन पर केंद्रित है।
- इसका मुख्य उद्देश्य सर्जरी के दौरान रोगी के शरीर में पर्याप्त ऑक्सीजनेशन (ऑक्सीजन का संचार) और परिसंचरण (रक्त प्रवाह) सुनिश्चित करना है।
- परफ्यूजन टेक्नोलॉजिस्ट सर्जिकल टीम का सदस्य होता है।
- हृदय और फेफड़ों की सर्जरी के दौरान हृदय-फेफड़े की मशीन और उपकरणों को संचालित करते हैं।
- वे रोगी की शारीरिक स्थिति की निगरानी करते हैं और सर्जरी के दौरान आवश्यक दवाओं और रक्त उत्पादों का प्रशासन सुनिश्चित करते हैं।

इसलिए कर सकते हैं कोर्स

- परफ्यूज़न टेक्नोलॉजी का कार्डियोलॉजी से गहरा संबंध है, क्योंकि यह हृदय संबंधी उपचारों और प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परफ्यूज़निस्ट, कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) या वाल्व रिप्लेसमेंट जैसी सर्जरी के दौरान हृदय-फेफड़े की मशीन का प्रबंधन करने के लिए हृदय रोग विशेषज्ञों और हृदय शल्य चिकित्सकों के साथ मिलकर काम करते हैं, जहाँ वे रक्त का उचित संचार और ऑक्सीजनीकरण सुनिश्चित करते हैं।
- यह सहयोग कार्डियोलॉजी में महत्वपूर्ण है, जहां सटीक और कुशल परफ्यूजन तकनीक हृदय शल्य चिकित्सा और अन्य हृदय संबंधी हस्तक्षेपों की सफलता को सीधे प्रभावित करती है।
- **मांग में पेशे:** बीएससी कार्डियो पल्मोनरी परफ्यूजन टेक्नोलॉजी स्नातक आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर हैं, विशेष रूप से हृदय शल्य चिकित्सा और हृदय-फेफड़े की मशीनों से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं में।
- **विशिष्ट कौशल सेट:** बीएससी कार्डियो पल्मोनरी परफ्यूजन टेक्नोलॉजी छात्रों को सर्जरी के दौरान हृदय-फेफड़े की मशीन जैसे जीवन रक्षक उपकरणों को संचालित करने के लिए तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से लैस करती है।
- **विविध कैरियर के अवसर:** बीएससी कार्डियो पल्मोनरी परफ्यूजन टेक्नोलॉजी स्नातक अस्पतालों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों में काम कर सकते हैं, या कार्डियोवैस्कुलर विज्ञान या संबंधित क्षेत्रों में आगे की पढ़ाई कर सकते हैं।

लोगों और जानवरों के लिए हाथ बढ़ाएं भारत को आपदा प्रबंधन में सशक्त बनाएं

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

भारत एक ऐसा देश है जहां प्रकृति की सुंदरता और विविधता के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाएं भी आती हैं। बाढ़, भूकंप, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी आपदाएं हर साल लाखों लोगों और जानवरों के जीवन को प्रभावित करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप, एक युवा और ऊर्जावान छात्र के रूप में, इन आपदाओं में बदलाव ला सकते हैं? आपकी छोटी-छोटी कोशिशें न केवल लोगों और जानवरों की जान बचा सकती हैं, बल्कि भारत को आपदा प्रबंधन में सशक्त भी बना सकती हैं। यह लेख आपको प्रेरित करने के लिए है कि कैसे आप आपदा पर्यावरण में मदद कर सकते हैं, लोगों और जानवरों के लिए सहायता का हाथ बढ़ा सकते हैं, और आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण कौशल विकसित कर सकते हैं।

एक पोस्ट बचा सकती हैं हजारों जिंदगियां

आपदा में सहायता की आवश्यकता क्यों? : भारत में हर साल प्राकृतिक आपदाएं लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं।

पंजाब की वर्तमान स्थिति और छात्रों की भूमिका: जागरूकता और सावधानियां फैलाकर योगदान दें। प्रिय छात्रों, आज का समय चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह आपके जैसे युवा योद्धाओं के लिए अवसर है कि आप अपनी शक्ति से बदलाव लाएं। सितंबर 2025 में, पंजाब भयंकर बाढ़ की चपेट में है। भारी बारिश ने नदियों को उफान पर ला दिया है, हजारों लोग बेघर हो गए हैं, स्कूल-कॉलेज बंद हैं, और लाखों प्रभावित हैं। गांव डूबे हुए हैं, सड़कें जलमग्न हैं, और जीवन अस्त-व्यस्त है। लेकिन याद रखो, हर संकट में एक नई शुरुआत छिपी होती है। आप, छात्रगण, घर बैठे भी इस लड़ाई में शामिल हो सकते हैं – सोशल मीडिया के माध्यम से। सोशल मीडिया आपका हथियार है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स , और व्हाट्सएप पर अपनी आवाज बुलंद करो। जागरूकता फैलाओ, सावधानियां साझा करो, और लोगों को प्रेरित करो। तुम्हारी एक पोस्ट हजारों जिंदगियां बचा सकती है।

जागरूकता फैलाएं: बाढ़ की ताजा खबरें शेयर करें – सरकारी अलर्ट, बचाव कार्यों की अपडेट्स। पोस्ट में लिखें। पंजाब की बाढ़ में हम सब साथ हैं। जानकारी बचाएगी जान। हैशटैग जैसे **#PunjabFloods**2025, **#StaySafePunjab** इस्तेमाल करें। अपनी स्टोरी में वीडियो बनाओ जहां तुम बताओ कि बाढ़ क्यों आई और कैसे रोक सकते हैं।

सावधानियां सिखाएं: लोगों को बताओ कि बाढ़ में क्या करें और क्या न करें। उदाहरण-

- ऊंचे स्थानों पर जाएं, बाढ़ के पानी में न उतरें – यह जानलेवा हो सकता है।
- साफ पानी पिएं, उबला पानी इस्तेमाल करें ताकि बीमारियां न फैलें।
- बिजली के तारों से दूर रहें, और बच्चों को पानी के पास न खेलने दें।
- आपातकालीन नंबर (112 या स्थानीय हेल्पलाइन) शेयर करें।

अपनी पोस्ट में कहो, एक छोटी सावधानी, बड़ा बचाव! आओ, मिलकर पंजाब को मजबूत बनाएं।

प्रेरणा दें: दान अभियान शुरू करो – राहत सामग्री, दवाइयां, या फंडरेजर। अपनी क्लासमेट्स को जोड़ो, ग्रुप बनाओ। कहो: ंहम छात्र हैं, हम बदलाव हैं! आज की आपदा कल की मजबूती बनेगी।

सोशल मीडिया से क्रांति लाओ

घर बैठे सोशल मीडिया से क्रांति लाओ। तुम्हारी जागरूकता से कोई परिवार बचेगा, कोई गांव सुरक्षित होगा। उठो, पोस्ट करो, और दुनिया को दिखाओ कि युवा शक्ति क्या कर सकती है। जय हिंद, जय पंजाब। छात्रों के रूप में, आपके पास समय, ऊर्जा और सीखने की क्षमता है। आप न केवल तत्काल सहायता प्रदान कर सकते हैं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान भी विकसित कर सकते हैं। महात्मा गांधी ने कहा था, "विश्व में जो बदलाव आप देखना चाहते हैं, वह स्वयं बनें।" आपदा प्रबंधन में आपका योगदान भारत को अधिक सुरक्षित और लचीला बना सकता है। यह न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी है, बल्कि आपके व्यक्तिगत विकास और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने का अवसर भी है।

आपदा में लोगों और जानवरों की मदद कैसे करें? आपदा के समय सक्रिय होना सबसे महत्वपूर्ण है। यहां कुछ व्यावहारिक और प्रभावी तरीके दिए गए हैं जिनसे आप मदद कर सकते हैं:

स्वयंसेवी कार्यों में भाग लें : लोगों की मदद: स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) जैसे रेड क्रॉस, गो ग्रीन, या अन्य राहत संगठनों से जुड़ें। आपदा के दौरान राहत सामग्री जैसे भोजन, पानी, दवाइयां, कंबल और कपड़े वितरित करने में मदद करें। उदाहरण के लिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सहायता करें या अस्थायी आश्रय स्थलों में उनकी देखभाल करें।

जानवरों की सहायता: आपदाओं में पशु भी उतने ही प्रभावित होते हैं जितने लोग। आवारा कुत्तों, बिल्लियों, या अन्य पशुओं को भोजन और पानी प्रदान करें। पशु चिकित्सा कैंप में स्वयंसेवक बनें, जहां घायल जानवरों का इलाज होता है। संगठन जैसे पेटा इंडिया या ब्लू क्रॉस ऑफ इंडिया के साथ मिलकर काम करें।

सामान्य ज्ञान

1. निम्न में कौन सी भाषा संस्कृत भाषा की अपभ्रंश है?
(ए) खड़ी बोली (बी) ब्रजभाषा
(सी) अवधी (डी) पालि

2. अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास किस लिपि से हुआ?
(ए) शारदा लिपि (बी) खरोष्ठी लिपि
(सी) कुटिल (डी) ब्राह्मी लिपि

3. हिंदी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?
(ए) गुरुमुखी (बी) ब्राम्ही
(सी) देवनागरी (डी)सौराष्ट्री

4. वर्तमान हिंदी का प्रचलित रूप है?
(ए) अवधी (बी) ब्रजभाषा
(सी) खड़ी बोली (डी) देवनागरी

5. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छतीसगढ़ी बोली है?
(ए) पूर्वी हिन्दी (बी)पश्चिम हिन्दी
(सी)पहाड़ी हिन्दी (डी)राजस्थानी

6. निम्नलिखित में से कौन सी पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है ?
(ए) बुन्देली (बी) ब्रजभाषा
(सी) कन्नौजी (डी) बघेली

7. भारतीय संविधान में किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है ?
(ए)343-351 तक (बी)434-315 तक
(सी)443-135 तक(डी) 334-153 तक

8. दक्षिणी भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय कहां स्थित है ?
(ए) हैदराबाद (बी) बंगलौर
(सी) चेन्नई (डी)मैसूर

9. हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन-सा है ?
(ए) पालि-प्राकृत-अपभ्रंश -हिन्दी
(बी) प्राकृत-अपभ्रंश-हिन्दी-पालि
(सी) अपभ्रंश-पालि-प्राकृत-हिन्दी
(डी) हिन्दी-पालि-अपभ्रंश-प्राकृत

10. संविधान के अनुच्छेद 351 में किस विषय का वर्णन है ?
(ए) संघ की राजभाषा
(बी) उच्चतम न्यायालय की भाषा
(सी) पत्राचार की भाषा
(डी) हिन्दी के विकास के लिए निर्देश

उत्तर 1.(डी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(सी) 5.(ए) 6.(डी) 7.(ए) 8. (सी)9. (ए) 10. (डी)

खबर संक्षेप

जजपा की जिला कार्यकारिणी गठित

रेवाड़ी। शुक्रवार को जननायक जनता पार्टी ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें 24 नए पदाधिकारी नियुक्त किए गए। जेजेपी के जिलाध्यक्ष चौ. विजय पंच ने सरकार से बरसात से हुए नुकसान का मुआवजा जल्द से जल्द देने का आग्रह किया। इस अवसर पर भूप सिंह रसियावास प्रदेश संयुक्त सचिव, बच्चूसिंह सिंह शाहपुर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, धर्मपाल देशवाल प्रदेश कार्यकारिणी विशेष आमंत्रित सदस्य, किशन सिंह आदि शामिल हैं।

ग्रामीणों ने त्रिवेणी सहित 51 पौधे लगाए

कोसली। श्यामनगर गांव की नंदी वाटिका में ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के सहयोग से बड़, नीम व पीपल की त्रिवेणी तथा बालमखीरा, अशोका व चंपा के 51 पौधे लगाए गए। ग्रामवासियों ने पार्क में लगाए पौधों में समय-समय पर पानी व खाद देने तथा पार्क को सुंदर व स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर गांव के सरपंच जिले सिंह, ग्राम सचिव नवीन पुनिया, जयप्रकाश प्रधान, पंच नरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

नियमों की अनदेखी करने वालों के काटे जा रहे चालान

स्वच्छता को लेकर प्रशासन सख्त गंदगी फैलाने पर होगी कार्रवाई

शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में सुधार के लिए अतिक्रमण भी हटवाया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत रेवाड़ी शहरी क्षेत्र में जन आंदोलन के साथ कार्य करते हुए रेवाड़ी का सौंदर्यकरण व सुधारीकरण किया जा रहा है। म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम के तहत डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन व डीएमसी ब्रह्म प्रकाश के नेतृत्व में जिले में अनेक जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से सफाई अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है। नियुक्त किए गए वार्ड वाइज नोडल अधिकारी सफाई अभियान के तहत हो रही कार्यवाही पर नजर रख रहे है, यदि कोई नागरिक कचरा इधर-उधर फेंकते दिखाई देता है, उस पर कार्यवाही की जा रही है और उनको सफाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में सुधार के लिए अतिक्रमण भी हटवाया जा रहा है। साथ ही सड़कों पर कचरा फेंकने, पॉलीथिन का उपयोग करने तथा अतिक्रमण करने वालों के चालान भी किए जा रहे हैं।

रेवाड़ी। वार्ड में सफाई कराते नोडल अधिकारी कुलदीप नेहरा व रेलवे स्टेशन पर सफाई करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नोडल अधिकारी कर रहे निरीक्षण

11 सप्ताह तक चलने वाले विशेष सफाई अभियान में रेवाड़ी शहर, बावल व धारूहेड़ा क्षेत्र में प्रशासन की ओर से वार्ड स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारी फील्ड में पहुंचकर गणमान्य लोगों के साथ मेरा वार्ड-सबसे साफ वार्ड करने के लिए सक्रियता बरत रहे हैं। वहीं नगर परिषद व नगर पालिका द्वारा शहर में साफ सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए शहरी क्षेत्र को स्वच्छ बनाया जा रहा है। वार्ड की गलियों में कचरा उठान प्रक्रिया, गंदगी के ढेर को हटाने, आमजन को पॉलीथिन का उपयोग न करने सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं जा रहे हैं। मुख्य सड़कों से लेकर बाजार, पार्कों व सार्वजनिक स्थानों पर निरंतर साफ-सफाई अभियान चल रहा है। शुक्रवार को वार्ड नंबर-6 के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी डीएचबीवीएन के कार्यकारी अभियंता कुलदीप नेहरा ने विकास नगर व कालाका रोड का निरीक्षण करते हुए सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और कर्मचारियों के साथ मिलकर साफ-सफाई कराई। खाली पड़े प्लॉटों में मालिकों को कचरे के ढेरों को हटवाने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। इसके अलावा महावीर नगर, सरस्वती विहार, विकास नगर, कालाका रोड़ व भगवत दयाल शर्मा चौक के मुख्य मार्ग पर साफ सफाई कराई गई।

कचरा फेंकने वालों की जानकारी दें

डीएमसी ब्रह्मप्रकाश ने कहा कि शहर को साफ-सुथरा बनाने के लिए शुरू किए गए अभियान के तहत परिषद के अधिकारी और कर्मचारी वार्डों में जाकर लोगों को सफाई के प्रति जागरूक कर रहे हैं और उन्हें खुले में कूड़ा फेंकने से रोक रहे हैं। डोर-टू-डोर कचरे का उठान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है नगर परिषद द्वारा सभी वार्डों व नगर पालिका क्षेत्र धारूहेड़ा व बावल को गंदगी मुक्त बनाना है। नगरपरिषद ईओ सुशील कुमार ने बताया कि इस मुहिम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है और लोगों को स्वच्छता अपनाने की शपथ भी दिलाई जा रही है। डीएमसी ने बताया कि हरियाणा शहरी स्वच्छता अभियान के तहत जिले के शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में नगर परिषद द्वारा हेल्पलाइन नंबर 8572827322 जारी किया है। कोई भी नागरिक शहर में कचरा इधर-उधर फेंकते दिखाई देता है तो सभ्य नागरिक के रूप में कोई भी व्यक्ति वाट्सअप नंबर पर वीडियो भेजकर जानकारी दे सकता है।

खुले में कचरा डालने पर एनजीटी सख्त, नोटिस देने के दिए आदेश

रेवाड़ी। खरखड़ा में सड़क के पास डाला जा रहा कचरा। फोटो : हरिभूमि

- धारूहेड़ा नगरपालिका क्षेत्र में राजीव गांधी खेल स्टेडियम के बाहर खुले में कचरा डंप किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

धारूहेड़ा नगरपालिका क्षेत्र में राजीव गांधी खेल स्टेडियम के बाहर खुले में कचरा डंप किया जा रहा है। स्टेडियम के मुख्य द्वार पर जमा गंदगी और दुर्गंध से खिलाड़ियों और स्थानीय निवासियों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा था। साथ ही वायु प्रदूषण और भूजल प्रदूषण का खतरा भी बढ़ गया था। गांव खरखड़ा निवासी प्रकाश यादव की ओर से 2023 में याचिका लगाई गई थी जिसमें 26 जुलाई 2024 को एनजीटी ने नगरपालिका और पंचायत को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत वैज्ञानिक ढंग से कचरे का निस्तारण करने के आदेश दिए थे व अवैध डंपिंग और खुले में कचरा जलाने पर रोक लगाई थी। पहली बार गलती पर 5000 रुपये, बार-बार गलती पर 10000 रुपये, जबकि बड़े पैमाने पर कचरा फैलाने पर 25000 से 50000 रुपये तक का जुर्माना तय किया गया और हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को दोषियों से पर्यावरणीय मुआवजा वसूलने के निर्देश दिए थे, लेकिन आदेश के एक वर्ष बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है और न तो एक्शन टेकन रिपोर्ट समय पर दाखिल की गई और न ही कचरे की अवैध डंपिंग रोकी गई। आदेशों की पालना न होने पर प्रकाश यादव ने 20 अगस्त 2025 को एनजीटी में निष्पादन याचिका दायर की। यह आदेश कानूनी जीत नहीं, बल्कि भरोसा बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

14 अक्टूबर को सुनवाई

इस पर सुनवाई करते हुए न्यायिक सदस्य जस्टिस अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य डा. अफरोज अहमद ने साफ कहा कि आदेशों की अवहेलना महज प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि गंभीर अपराध है। एनजीटी ने रजिस्ट्रार को निर्देश दिए है कि सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए जाएं और 14 अक्टूबर 2025 की अगली सुनवाई से कम से कम दो दिन पहले जवाब दाखिल किए जाएं।

रेवाड़ी। बाबू बाल मुकुंद गुप्त सप्ताह के उद्घाटन सत्र में मौजूद अतिथि व बच्चे।

बाबू बालमुकुंद गुप्त सप्ताह की शुरुआत

डहीना। बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद् की देखरेख में आयोजित किए जा रहे बाबू बालमुकुंद गुप्त सप्ताह की शुरूआत जिले के गांव सीहा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अरावली सदन की देखरेख में हिंदी उत्सव से की गई, जिसमें समाजसेवी सतीश कुमार जैन के सौजन्य से पांच दर्जन से ज्यादा विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में गुप्त जी के जीवन वृत्त पर केंद्रित परिषद् साहित्य का लोकार्पण भी किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. रमेशचंद्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने की। समाजसेवी विकास जैन तथा संगीतकार मुरारीलाल सोनी ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए प्रो. शर्मा ने गुप्त को राष्ट्रीयता का अग्रदूत तथा हिंदी गद्य का जनक बताते हुए उनके प्रेरक व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के बाबू बालमुकुंद गुप्त भाषा मंच के प्रतिनिधियों सीमा कुमारी, सोनू कुमारी,शशि कपूर तथा शक्ति सिंह को सम्मानित तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत भाग लेने वाले करीब पांच दर्जन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन का काम किया: राव नरबीर

- वन, पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री ने जाट धर्मशाला में जागृति पत्रिका का विमोचन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विगत 11 सालों में वास्तव में प्रदेश की व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है। सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र के साथ काम कर रही वर्तमान सरकार को इसीलिए तीसरी बार जनता ने चुना है, जिसमें दक्षिण हरियाणा का अहम योगदान रहा। वन मंत्री राव नरबीर सिंह शुक्रवार को जाट धर्मशाला में जागृति पत्रिका का विमोचन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय लोगों को अपने साथ भारी भेदभाव देखने को मिला। खासतौर से विकास कार्य व रोजगार में सत्ता पक्ष द्वारा पक्षपात किया जाता था। आज युवाओं को मेरिट के आधार पर पारदर्शिता से नौकरी दी जा रही है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि एनसीआर क्षेत्र को प्रदूषण से बचाने के लिए हर आदमी को कम से कम दो पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए। उद्योग मंत्री ने कहा कि जाट समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। राव नरबीर सिंह ने जाट धर्मशाला में लाइब्रेरी की स्थापना के लिए 21 लाख का अनुदान देने, सीएसआर स्कीम के तहत जाट धर्मशाला की छत पर 35 लाख का सोलर पावर प्लांट लगाने और रेवाड़ी जिले की एक आईटीआई में ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जिले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अनुमति से एक आईएमटी मंजूर कराई गई है। प्रदेश में कुल 10 आईएमटी विकसित की जानी है।

रेवाड़ी। जागृति पत्रिका का विमोचन करते हुए उद्योग, वाणिज्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली, जाट समाज के प्रधान सूरत सिंह, सुनील पाल्हावास, दीपचंद, प्राचार्य सुमन गुलिया, रामकिशन मैहला व सरपंच महेंद्र सिंह ने भी विचार रखे। इस अवसर पर जागृति पत्रिका के प्रकाशक व स्व. हरीराम सांगवान के सुपुत्र जयप्रकाश सांगवान, बलबीर सिंह, हवा सिंह, पैरा ओलंपियन टेकचंद महलावत, महेंद्र सिंह चौहान व मनोज सैनी मौजूद थे।

इलाज के बहाने कपड़े उतरवाए आरोपी तांत्रिक को पुलिस को सौंपा

- झाड़फूंक से इलाज कराने के लिए तांत्रिक ने महिला बुलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

थाना रोहड़ाई अंतर्गत एक गांव में महिला का झाड़फूंक से इलाज कराने के लिए बुलाए गए तांत्रिक ने महिला के कपड़े उतरवाने के बाद अश्लील हरकतें करना शुरू कर दिया। परिजनों ने सूचना देकर आरोपी तांत्रिक को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। एक गांव निवासी लगभग 20 साल की महिला कई दिनों से बीमार चल रही है। परिजनों ने उसका इलाज कराने के लिए यूपी के एक तांत्रिक को घर बुलाया था। तांत्रिक ने परिजनों को बताया कि महिला पर भूत-प्रेत का साया है। उसका उपचार तंत्र क्रिया से करना पड़ेगा। परिजन महिला का इलाज कराने के लिए तैयार हो गए। महिला ने आरोप लगाया कि तांत्रिक उसे घर के कमरे में ले गया। उसके कपड़े उतरवाने के बाद उसने अश्लील हरकत करना शुरू कर दिया। उसने आपत्ति जताई तो आरोपी ने अगले दिन फिर से आकर उसका इसी तरह से इलाज करने की बात कही। किसी को बताने पर उसने जान से मारने की धमकी। महिला ने इस बारे में पति और परिजनों को बताया। इसी दौरान रोहड़ाई थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी तांत्रिक को काबू कर लिया।

आरपीएस स्कूल ने सीबीएसई नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में जीता ब्रॉन्ज

- राष्ट्रीय स्तर पर आरपीएस की टीम को बेस्ट डिफेंडर का अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सीबीएसई द्वारा आयोजित नेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट में आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की फुटबॉल टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता भोपाल में आयोजित की गई, जहां विदेशों एवं देश से विभिन्न राज्यों व क्लस्टर की श्रेष्ठ टीम भाग लेने पहुंची थी। रोमांचक मुकाबलों के बीच आरपीएस विद्यालय महेंद्रगढ़ की टीम ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना के बल पर तीसरा स्थान हासिल किया। विद्यालय के खिलाड़ियों ने न केवल विद्यालय का मान बढ़ाया, बल्कि जिले और प्रदेश का नाम भी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। खिलाड़ियों के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन से विद्यालय तथा क्षेत्रवासियों में हर्ष और गर्व की लहर दौड़ गई है।

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अलावलपुर में कलशयात्रा के साथ श्री मद्भागवत कथा का शुभारंभ

धारूहेड़ा। गांव अलावलपुर के शिव मंदिर में शुक्रवार को पितृपक्ष के उपलक्ष्य में श्री मद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा निकालकर किया गया। मुख्य अतिथि अतुल लोर ने कलश यात्रा को रवाना किया। कथा का आयोजन शिव भोलेनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट व ग्राम वासियों की ओर से किया जा रहा है। कलश यात्रा शिव मंदिर परिसर से शुरू होकर गांव की परिक्रमा करते हुए वापस मंदिर परिसर में पहुंची। कलशयात्रा में एक सौ एक महिलाओं ने भाग लिया। कथा वाचक त्रिवेन्द्र दास महाराज ने मंदिर में सभी कलशों का पूजन किया।

समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा

- समस्याओं का समाधान करके आमजन का जीवन सरल बनाए विभाग : एडीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि समाधान शिविर में आई लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान करते हुए अधिकारी शिकायत पर अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट को उपायुक्त कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। एडीसी राहुल मोदी शुक्रवार को लघु सचिवालय सभागार में समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आई शिकायतों पर अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। आगामी समीक्षा बैठक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह से पुरानी कोई भी शिकायत किसी विभाग में लंबित न हो। उन्होंने कहा कि जो शिकायत दोबारा से दी गई हैं, उन शिकायतों का समाधान करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाए और उनकी एटीआर भिजवाई जाए। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान करके आमजन का जीवन सरल बनाया जाए। समाधान शिविर के माध्यम से नागरिक एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते है।

रेवाड़ी। शिविरों में आई शिकायतों की समीक्षा करते हुए एडीसी राहुल मोदी।

चक्कर न लगाना पड़े

एडीसी ने कहा कि सभी एसडीएम अपने-अपने उपमंडल पर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को आयोजित हो रहे समाधान शिविर में बैठकर आमजन की शिकायतों की सुनवाई करें ताकि आमजन को दूर जिला स्तर पर चक्कर न लगाने पड़े और उनकी समस्याओं का समाधान उनके घर के नजदीक उपमंडल पर हो सकें।

आसपास के क्षेत्र व अखाड़ों से लोगों ने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया

इंटर यूनिवर्सिटी रेसलिंग के लिए ट्रायल, कई खिलाड़ियों का चयन

अंकित 77 किलो भारवर्ग व कपिल 97 किलो भारवर्ग में स्थान बनाने में सफल रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

राजकीय महाविद्यालय बावल के तत्वावधान में इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर की ओर से खेल स्टेडियम बावल में इंटर कॉलेज रेसलिंग चैंपियनशिप ट्रायल फॉर इंटर यूनिवर्सिटी लिए गए, जिसमें इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर के अंतर्गत आने वाले अनेक कॉलेजों के प्रतिभागियों ने विभिन्न भार वर्ग की प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया। प्रतिस्पर्धा के दौरान कई रोमांचक मुकाबले हुए। आसपास के क्षेत्र व विभिन्न अखाड़ों से लोगों ने पहलवानों का उत्साह वर्धन किया। प्रतिस्पर्धा में राजकीय महाविद्यालय बावल से अंकित 77 किलोग्राम भारवर्ग व कपिल 97 किलोग्राम भारवर्ग में स्थान बनाने में सफल रहे, जबकि महिला वर्ग में राजकीय महाविद्यालय सतनाली से काजल 50 किलोग्राम भारवर्ग, निशा 55 किलोग्राम भारवर्ग, राजकीय महाविद्यालय नाहड़ से तनु 72 किलोग्राम भारवर्ग तथा केएलपी कॉलेज रेवाड़ी से कुमारी शिक्षा 76 किलोग्राम भारवर्ग में स्थान बनाने में सफल रही। ट्रायल में कई अन्य प्रतिभागी भी विभिन्न भारवर्ग में चयनित हुए। प्रतिस्पर्धा के दौरान इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स डायरेक्टर डा. अशोक यादव, असिस्टेंट डायरेक्टर डा. देवेंद्र ढाका, नितिन, बावल कॉलेज प्राचार्य डा. नमिता, खरखड़ा कॉलेज से डा. हरिप्रकाश, गर्ल्स कॉलेज रेवाड़ी से डा. नरेश यादव, अटेली कॉलेज से डा. सत्यजीत सिंह तथा खेल स्टेडियम बावल से कोच प्रियव्रत और रतन सिंह उपस्थित थे, जिन्होंने प्रतिस्पर्धा संपन्न कराने में विशेष भूमिका निभाई।

रेवाड़ी। खेल स्टेडियम बावल में कुश्ती लड़ते हुए पहलवान। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

प्रतियोगिता के दौरान बावल कॉलेज से डा. इंद्रजीत सिंह, डा. पूजा ग्रोवर, डा. नीरू यादव, रेखा चोपड़ा, ईश्वर सिंह, डा. किरण शर्मा, डा. बबीता, उषा यादव, डा. नीतू सिंह, सुदेश देवी, डा. रेखा यादव, डा. निशा, विवेक भारती, सुरेंद्र कुमार, सावित्री देवी, देवेंद्र यादव, देवेंद्र शर्मा, प्रवीण यादव, विशाल, मंजीत सिंह, हरीराम व खेल प्रभारी मनीष कुमार उपस्थित थे।

फसल नुकसान का दावा दर्ज करने के लिए 15 तक खोला क्षतिपूर्ति पोर्टल: उपायुक्त

रेवाड़ी। जिले में वर्षा या जलभराव के कारण किसानों की खरीफ फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार की ओर से 15 सितंबर तक क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि किसानों को राहत देने के लिए सरकार की ओर से फसलों में अधिक वर्षा या जलभराव से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया गया हैं और किसान अपनी फसल खराबे की जानकारी अपलोड कर सकते हैं। डीसी ने बताया कि जिला राजस्व अधिकारियों द्वारा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर प्राप्त दावों का विशेष गिरदावरी के रूप में सत्यापन किया जाएगा और आकलन के आधार पर निर्धारित मानकों के अनुसार मुआवजा जारी किया जाएगा। प्रभावित किसान की ओर से दावा दर्ज करने के बाद, संबंधित राजस्व अधिकारी, कर्मचारी जैसे पटवारी, कानूनगो, सर्कल राजस्व अधिकारी, जिला राजस्व अधिकारी, एसडीएम व उपायुक्त नुकसान का आकलन करेंगे। डीसी ने कहा कि जिन भी किसानों की फसलों का नुकसान हुआ हैं, वे जल्द से जल्द क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराएं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खंड नाहड़ की ग्राम पंचायत अहमदपुर पड़तल में मछली पालन हेतु जोहड़ व जोहड़ी को 19-09-2025 को पट्टे पर छोड़ा जाना है। जिसकी बोली गांव के मेन जोहड़ पर प्रातः 10-00 बजे लगाई जायेगी। बोली दाता को सिक्योरिटी की राशि 10000/- मौके पर जमा करानी होगी। बाकी शर्तें मौके पर बताई जायेगी। इच्छुक बोली दाता भाग लें।

हस्ता/- सरपंच, ग्राम पंचायत अहमदपुर (पड़तल) जिला रेवाड़ी

खबर संक्षेप

परमानेंट लोक अदालत में 540 केस निपटाए

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार शुक्रवार को परमानेंट लोक अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। परमानेंट लोक अदालत पब्लिक यूटिलिटी सर्विसेज अध्यक्ष जग भूषण गुप्ता ने राष्ट्रीय लोक अदालत में आमजन से संबंधित टेलीफोन, बैंक लोन से संबंधित केस तथा अन्य जरूरी सेवाओं से संबंधित केसों का निपटारा किया तथा 16 लाख 82520 रुपए का मुआवजा दिया गया। लोक अदालत में 862 मामले रखे गए, जिनमें से 540 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया।

अध्यक्ष जग भूषण गुप्ता।

रेवाड़ी। विजेताओं को पुरस्कृत करते प्राचार्य व स्टाफ सदस्य।

कंवाली स्कूल में हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं

जाटूसाना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवाली में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य अनिल यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं कविता पाठ, कहानी, भाषण, नाटक व वाद विवाद जैसी विभिन्न विधाओं में भाग लिया। प्राचार्य ने छात्रों का आह्वान किया कि उन्हें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए।

बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ में जागरण आज

कोसली। कोसली गांव के बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ में 13 सितंबर रात्रि को जागरण तथा 14 सितंबर को हवन व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिला पार्षद जीवन हितेषी ने बताया कि मठाधीश महंत शिवपुरी महाराज के सानिध्य में होने वाले आयोजन में क्षेत्र के संत, महात्मा एवं भक्तगण शामिल होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को रात्रि 9 बजे से जागरण के साथ होगा। 14 को प्रातः 9 बजे हवन के बाद भंडारे का शुभारंभ होगा।

अब मुंबई रंगमंच पर कला का जलवा बिखेरेंगे बंजारा संस्था रेवाड़ी के कलाकार

'जै सुख तै चाहवै जीवणा तो भोंदू बण के रह' नाटक का होगा 75वां मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ग्रामीण परिवेश के एक सामान्य क्लास रूम में बच्चों को हास्य-व्यंग्य के अंदाज में पढ़ाते मास्टर और उसी अंदाज में उत्तर देते छात्र। कक्षा में हैडमास्टर, शिक्षाधिकारी एवं मंत्री की उपस्थिति में संवादों से निकलता हास्य। यह दृश्य प्रसिद्ध हरियाणवी हास्य नाटक 'जै सुख तै चाहवै जीवणा तो भोंदू बण के रह' का है।

सर्वश्रेष्ठ हरियाण्वी हास्य नाटक का राष्ट्रीय खिताब पा चुके नाटक का डायमंड जुबली यानि 75वां मंचन शो माया नगरी मुंबई में होने जा रहा है। मुंबई रंगमंच व फिल्मी कलाकारों के बीच अपनी प्रतिभा दिखाने को लालायित रेवाड़ी के कलाकार पिछले डेढ़ महीने से नाटक की रिहर्सल करने में पसीना बहा रहे हैं। 90 मिनट के इस नाटक में हरियाण्वी संस्कृति एवं हाजिर जवाबी को शिक्षा के ताने-बाने के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। शहर ही नहीं, अपितु प्रदेश भर के रंगकर्मियों के लिए यह गौरवमयी अवसर है कि रेवाड़ी के कलाकार मुंबई रंगमंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। क्षेत्र की प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्था बंजारा के चर्चित हास्य नाटक 'जै सुख तै चाहवे जीवणा तो भोंदू बण के रह' के 73 मंचन देश के विभिन्न शहरों में हो चुके हैं तथा 14 सितंबर रविवार को रेवाड़ी के बाल भवन में नाटक का 74वां मंचन होगा।

इसके बाद नाटक का 75वां, 76वां और 77वां मंचन मुबंई में किया जाएगा। मुंबई के अंधेरी में स्थित प्रमुख थियेटर वेदा कुणबा में 27 सितंबर को तथा रंगशिला थियेटर में 28 सितंबर को मंचन होगा।

नाटक में दिशाहीन शिक्षा व्यवस्था, जातिवाद, राजनीतिक हस्तक्षेप, देश के विभिन्न घोटालों आदि पर नाटक में तीखे व्यंग्य किए गए हैं। हरियाण्वी फिल्म एवं रंगमंच के प्रसिद्ध अभिनेता विजय भाटोटिया के लेखन व निर्देशन में अंबेडकर चौक स्थित श्रीकृष्ण भवन में नाटक का अभ्यास चल रहा है।

रेवाड़ी। नाटक की रिहर्सल करते बंजारा संस्था के कलाकार। फोटो : हरिभूमि

तैयारियां जोरों पर चल रहीं

नाटक को 1995 में नैनीताल में आयोजित राष्ट्रीय नाट्य समारोह में सर्वश्रेष्ठ हास्य नाटक, संस्था को सर्वश्रेष्ठ संस्था, भाटोटिया को श्रेष्ठ निदेशक, वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल शर्मा वशिष्ठ को मास्टर की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तथा संजय डाबला को बाल कलाकार का पुरस्कार मिल चुका है। नाटक में संगीत वरिष्ठ गायक विपिन सुनेजा ने दिया है। नाटक की धुरी दो पात्रों मास्टर गोपाल शर्मा व भोंदू खूबराम सैनी के संवादों से निकलते हास्य व हाजिर जवाबी पर टिकी है। इसका संयोजन रंगकर्मी ऋषि सिंहल ने संभाला है, जो नाटक में हैडमास्टर की भूमिका में हैं। राष्ट्रीय उपलब्धि पाने वाले नाटक के अन्य वरिष्ठ पात्रों में विनोद शर्मा कूड़ामल, राजेश जोली भरतू, पंकज वर्मा इंस्पेक्टर, सत्यप्रकाश व योगेश कौशिक शामिल हैं। इनके साथ रंगमंच के कलाकार रविंद्र, मयंक सैनी, हिमांशु, देवेंद्र, सन्नी, राहुल, रजनी, राघव व विक्रांत तैयारियों में जुटे हुए हैं।

रेवाड़ी। अवैध कॉलोनी का निर्माण तोड़ती जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

कॉलोनाइजर व डीलर विकसित करने में लगे नई कॉलोनियां

डीटीपी का पातुहेड़ा व बनीपुर में एक्शन, 9 एकड़ भूमि की अवैध कॉलोनी की जमींदोज

डीटीपी विभाग की टीम अवैध कॉलोनियों पर लगातार कर रही कार्रवाई, लोगों में मची खलबली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीटीपी विभाग की टीम ने शुक्रवार को बावल क्षेत्र की राजस्व सीमा में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों पर एक्शन लिया। डीटीपी की कार्रवाई से प्लॉटिंग करने वाले लोगों में खलबली मची हुई है। पुलिसबल की मौजूदगी में डीटीपी की कार्रवाई का कहीं विरोध नहीं हुआ। डीटीपी की लगातार कार्रवाई के बाद भी कॉलोनाइजर व डीलर नई कॉलोनियां विकसित करने में लगे हुए हैं। डीटीपी के निर्देश पर शुक्रवार को पुलिसबल व ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ टीम बावल क्षेत्र के गांव पातुहेड़ा में इंडस्ट्रीयल एरिये के पीछे पहुंची। जहां डीटीपी की टीम ने करीब 5 एकड़ जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी का ध्वस्त कर दिया। टीम ने 15 डीपीपी, 8 चारदिवारी व कच्चे रोड नेटवर्क को समतल कर दिया। इसके अलावा डीटीपी की टीम ने बावल क्षेत्र के गांव बनीपुर की राजस्व सीमा में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की। टीम ने गांव में 4 एकड़ में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी में 9 डीपीसी, 5 चारदिवारी व कच्चे रोड नेटवर्क पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की।

अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें लोग : सिहाग

डीटीपी मंदीप सिहाग।

डीटीपी मंदीप सिहाग ने कहा कि विभाग की ओर से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, जिन्होंने अनियमित कॉलोनियों में निर्माण किए हैं। डीटीपी ने कहा कि लोगों को बार-बार यह बताया जाता है कि वह प्लॉट खरीदने से पहले उनके कार्यालय में आकर पूछताछ जरूर करें। लोग प्रॉपर्टी डीलरों में चंगुल में फंसकर अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदते हैं। जब वह निर्माण शुरू करते हैं, तो विभाग की ओर से उन्हें गिराने की कार्रवाई की जाती है। इससे प्लॉट खरीदकर निर्माण करने वाले लोगों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ता है। लोगों को चाहिए कि वह नियमित कॉलोनियों में ही प्लॉट या मकान खरीदें, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना नहीं करना पड़े।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को स्टेम की जानकारी देती सुपरवाइजर।

नई तकनीकों के विकास को मजबूत करने में भूमिका निभाते नवाचार

कोसली। कोसली के शहीद मेजर विकास यादव राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग नाहड़ की ओर से संकल्प के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभाग की सुपरवाइजर संतोष ने छात्राओं को स्टेम क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित विषय स्टेम क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। स्टेम शिक्षा व्यवहारिक शिक्षा पर केंद्रित है ताकि छात्र वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकें। ये क्षेत्र नवाचार नई तकनीकों के विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे कैरियर के कई अवसर मिलते हैं। इन क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की बहुत मांग है। ये क्षेत्र वास्तविक दुनिया में समस्या समाधान और नवाचार के लिए आवश्यक कौशल विकसित करते हैं और आज के आधुनिक दुनिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्य अनूप सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों में नवाचार की वृद्धि होती है। मौके पर प्रवक्ता माया यादव, बाल योगेश्वर, गणित विशेषज्ञ सुभाष चंद्र, मनीषा यादव व रेखा उपस्थित थे।

- राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम

दिल्ली कैंट से सेना के डॉक्टरों की टीम आएगी

जवानों को समर्पित रक्तदान शिविर को लेकर बैठक

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित मोती चौक व्यापार संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मोती चौक व्यापार संगठन व डैन्टल एसोसिएशन के सहयोग से होने वाले रक्तदान शिविर के लिए बैठक रखी गई। व्यापार संगठन के प्रधान पुरूषोतम दास कोसली वाले व आईडीए के जिला प्रधान डा. बसंत गुप्ता ने बताया कि 28 सितम्बर रविवार को भारतीय सेना के वीर सैनिकों को समर्पित रक्त दान शिविर की तैयारियां कर ली गई है। रक्तदान के लिए दिल्ली कैंट से सेना के अनुभवी डॉक्टरों की टीम आ रही है। मीडिया प्रभारी दिनेश कपूर ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां कर ली गई है। अन्नपूर्णा डैन्टल क्लीनिक पर होने वाले कार्यक्रम में विभिन्न प्रभार बांट दिये है। इनमें मुख्यतः अनिल अरनेजा, रमेष मितल, जितेंद्र अग्रवाल, विनय बंसल, अरूण गुप्ता, मुकेष अग्रवाल, दिनेष कुमार गोयल, दीपेष भार्गव, विपिन अग्रवाल, डा. योगेष मेहरा सचिव आईडीए, नितिन शर्मा, हरीष सैनी, विजय गुप्ता, राजकुमार सैनी, विनोद गुप्ता, हेमंत अग्रवाल, जितेंद्र जिंदल, विकास गुप्ता, सरदार बलबीर सिंह, सुधीर यादव को विभिन्न दायित्व सौंपे गए है।

इंटर जोनल विज्ञान प्रतियोगिता में यदुवंशी स्कूल रेवाड़ी व कोसली विजेता

रेवाड़ी। विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए स्टाफ।

रेवाड़ी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शुक्रवार को इंटर जोनल विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में यदुवंशी रेवाड़ी, यदुवंशी कोसली,यदुवंशी गुरुग्राम सेक्टर-92 व सेक्टर-33 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने भी शिरकत की। प्रतियोगिता में ग्रुप नौवीं व दसवीं में प्रथम स्थान यदुवंशी रेवाड़ी, द्वितीय स्थान यदुवंशी गुरुग्राम 92, तृतीय स्थान यदुवंशी कोसली एवं चतुर्थ स्थान यदुवंशी गुरुग्राम सेक्टर-33 ने प्राप्त किया। ग्रुप 11वीं व 12वीं में प्रथम स्थान यदुवंशी कोसली, द्वितीय स्थान यदुवंशी गुरुग्राम सेक्टर-33, तृतीय स्थान यदुवंशी रेवाड़ी और चतुर्थ स्थान यदुवंशी गुरुग्राम सेक्टर-92 ने हासिल किया। स्कूल की डीन मुकेश यादव ने विद्यार्थियों को इस प्रकार कि प्रतियोगिताओं में समय-समय पर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। ग्रुप के चेयरमैन व स्टाफ ने विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

सेवा पखवाड़े के तहत ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित की जाएगी विभिन्न गतिविधियां, तैयारियां जारी

- एडीसी राहुल मोदी ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों के साथ की बैठक

रेवाड़ी। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए बैठक लेते एडीसी राहुल मोदी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एडीसी एवं सीईओ जिला ग्रामीण विकास अभिकरण राहुल मोदी ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

एडीसी मोदी ने ग्रामीण क्षेत्र में सेवा पखवाड़े की तैयारियों के संबंध में शुक्रवार को लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। एडीसी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिसके तहत बावल ब्लॉक का रामसिंहपुरा, धारूहेड़ा खंड के बॉलियर कला, जाटूसाना खंड के बोहतवास भोन्दू, खोल खंड के गांव कोलाना, नाहड़ खंड का गांव खुर्शीदनगर, रेवाड़ी खंड के गांव काकोड़िया तथा डहीना खंड के गांव दड़ौली में विशेष अभियान चलाया जाएगा। एडीसी ने बताया कि जिले के गांवों में 17 सितंबर को नालों की सफाई, 18 सितंबर को गलियों की सफाई, 19 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य परिसर, 20 सितंबर को ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह कचरे के ढेरों को हटाते हुए कचरा उठाने वाली गाड़ी में डालने के लिए प्रेरित किया जाएगा, 21 सितंबर को ग्राम सचिवालय व पंचायतों घरों में साफ-सफाई, 22 सितंबर को धार्मिक स्थानों, 23 सितंबर को शहीद स्मारकों व शहीदों की मूर्ति वाले स्थान, 24 सितंबर को खेल मैदान, 25 सितंबर को गांवों की फिरनी व सार्वजनिक स्थानों तथा 26 सितंबर को जलघरों व अमृत सरोवरों की साफ-सफाई की जाएगी।

22 को उद्घाटन

एडीसी ने कहा कि 22 सितंबर को गांवों में इनडोर जिम, योग एवं व्यायामशाला, फिरनियों की स्ट्रीट लाइट का उद्घाटन किया जाएगा। अभियान के तहत 17 सितंबर को महिला सांस्कृतिक केंद्रों में भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो परिवार किसी भी प्रकार के नशे व मादक द्रव्यों के सेवन से पूरी तरह मुक्त हैं, उन परिवारों को नशामुक्त परिवार के रूप में मान्यता देते हुए विशेष प्लेट लगाया जाए। सफाई कर्मचारियों, चौकीदारों और जल कर्मियों को स्वास्थ्य जांच प्रदान करने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़ने की विभा की ओर से सुविधा प्रदान की जाए। मौके डीडीपीओ नरेन्द्र सारवान व पंचायती राज कार्यकारी अभियंता नरेन्द्र गुलिया सहित सभी बीडीपीओ, एबीपीओ विभिन्न गांवों के सरपंच व ग्राम सचिव मौजूद थे।

होनहार प्रतियोगिता में जिले के सात कॉलेजों से 12 टीमों ने हिस्सा लिया

जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

- टीमों को 40, 30 व 20 हजार की नकद राशि व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सेक्टर-18 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में शुक्रवार को जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हरियाणा राज्य विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के सात कॉलेजों से 12 टीमों ने हिस्सा लिया। मेजबान कॉलेज की दो टीमों के अलावा अहीर महाविद्यालय रेवाड़ी की दो टीम, राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा से दो टीम, केएलपी कॉलेज से दो टीम, राजकीय महिला महाविद्यालय गुरावड़ा से दो टीम तथा राजकीय महाविद्यालय बावल व राजकीय महिला महाविद्यालय से एक-एक टीम ने हिस्सा लिया। इस मौके पर गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब हम अपने महाविद्यालय से किसी दूसरे महाविद्यालय या संस्था में जाते हैं तो निश्ख्ति रूप से अपने ज्ञान का विस्तार करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक सुनील ने बताया कि जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी में पहले स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 12 टीमों में से 8 टीमों का चयन किया गया। स्क्रीनिंग परीक्षा का आयोजन डा. सुनील कुमार, डा. जयश्री तथा डा. योगेश की टीम ने किया। आठ टीमों ने मुख्य चरण में हिस्सा लिया, जिसमें रसायन शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. ज्योति ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई।

रेवाड़ी। विजेता टीमों के साथ प्राचार्य व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

टॉप 5 टीमों का चयन

मुख्य चरण के आधार पर टॉप 5 टीमों का चयन किया गया, जिसमें केएलपी कॉलेज महाविद्यालय की दो टीम, अहीर महाविद्यालय की एक टीम स्थानीय महाविद्यालय की एक टीम तथा राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा की टीम का चयन किया गया। ये पांच टीम गुरुग्राम में होने वाले जोनल स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रेवाड़ी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी, जिसमें जीतने वाली टीमों को 40000, 30000 तथा 20000 रुपए की नकद राशि व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। जोनल लेवल पर जीतने वाली टीम राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेंगी, जिसमें 100000, 80000 तथा 60000 के इनाम दिए जाएंगे। कार्यक्रम के आयोजन में डा. रजनी, वंदना, मंजू, मौसम, पूनम, मिंटू, अनुपमा, वर्षा, दीपिका, मनीषा, नीरू, प्रकृति, अंजलि व हंसराज ने विशेष योगदान दिया।

हिंदी दिवस पर हिंदी पखवाड़े का आयोजन

हिंदी मातृभाषा होने के साथ आत्मा और मन से जोड़ती: डा. यशपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के गांव कृष्ण नगर स्थित रीजनल सेंटर में हिंदी दिवस पर हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया। हिंदी विभाग की अध्यक्ष डा. अनिता देवी के नेतृत्व में निबंध लेखन, स्लोगन लेखन और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रीजनल सेंटर के निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा होने के साथ हमें आत्मा और मन से जोड़ती हैं। हिंदी भाषा के साथ हमारे भावनात्मक रिश्ते हैं, जो हमें राष्ट्र से जोड़ते हैं। निबंध लेखन प्रतियोगिता में हिंदी भाषा के महत्व, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में हिंदी के प्रचार-प्रसार और उसके सम्मान में सशक्त स्लोगन प्रस्तुत किए और पोस्टर प्रतियोगिता में आकर्षक पोस्टरों से हिंदी की महत्ता को रेखांकित किया। निबंध प्रतियोगिता में आर्ट्स विभाग से प्रथम वर्ष की आरती प्रथम, द्वितीय वर्ष से प्रियंका द्वितीय तथा तृतीय वर्ष से महक तीसरे स्थान पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता में आर्ट्स विभाग से द्वितीय वर्ष की प्रियंका प्रथम व प्रथम वर्ष से तनुजा निनावत एवं कोमल द्वितीय रही तथा एमए राजनीतिक विज्ञान फाइनल से प्रीति तृतीय स्थान पर रही। स्लोगन प्रतियोगिता में आर्ट्स विभाग से प्रथम वर्ष की कोमल प्रथम व कंचन द्वितीय स्थान पर रहीं और एमए राजनीतिक विज्ञान फाइनल से कोमल व बीए फाइनल से महक तीसरे स्थान पर रही। निर्णायक मंडल की भूमिका डा. अनिल कुमार यादव व डा. रीनू यादव ने निभाई। कुलपति प्रो.सुदेश ने शुभकामनाएं दी।